• कविता...

अगर नहीं मैं होता



अगर नहीं मैं होता
इस बेढंगी-सी दुनिया में
अगर नहीं मैं होता,
सोचो, दुनिया कैसी लगती
और मेरा क्या होता?
दूर किसी ग्रह के कोने में
बैठा तब मैं रोता,
अथवा कहीं अंधेरे में, मैं
पड़ा-पड़ा तब सोता।
अध्यापक तब कक्षा में फिर-
मुर्गा किसे बनाते,
और बनाकर मुर्गा, किससे
कुकड़ू कूं करवाते?
मां किसके तब कान खींचती
पापा कब दुलराते,
दादा-दादी किसे प्यार से
अपने पास बुलाते?
तुम बच्चों की खातिर तब फिर-
लिखता कौन कहानी,
और सुनाता गीत कौन तब
सुंदर और लासानी।
लिख-लिखकर तब कौन सैकड़ों
पन्ने काले करता
उन पन्नों से संपादक का
दफ्तर कैसे भरता।

■ पीयूष वर्मा

• चुटकुले...



टीचर : बंता, बताओ होमवर्क की कॉपी कहां है?
बंता : सर, कल रात को मेरे कुत्ते ने पूरी कॉपी फाड़ दी।
टीचर : झूठ मत बोलो बंता! तुम्हारे घर तो कुत्ता है ही नहीं!
बंता : सर, इसीलिए तो मैं कह रहा हूं, उसने मेरे पड़ोसी के घर जाकर फाड़ी!

टीचर : पिंटू, बताओ इतिहास से क्या शिक्षा मिलती है?
पिंटू : सर, इतिहास से यह शिक्षा मिलती है कि इतिहास से किसी ने कोई शिक्षा नहीं ली!

आदमी : डॉक्टर साहब, जब मैं फोन पर बात करता हूं, तो मुझे ऐसा लगता है जैसे कोई मेरे कान में चिल्ला रहा है!
डॉक्टर : अच्छा, तो क्या फोन बहुत तेज आवाज में होता है?
आदमी : जी नहीं, डॉक्टर साहब, असल में मेरी पत्नी दूसरे छोर पर होती है!



• जानकारी...

सबसे ज्यादा तूफान

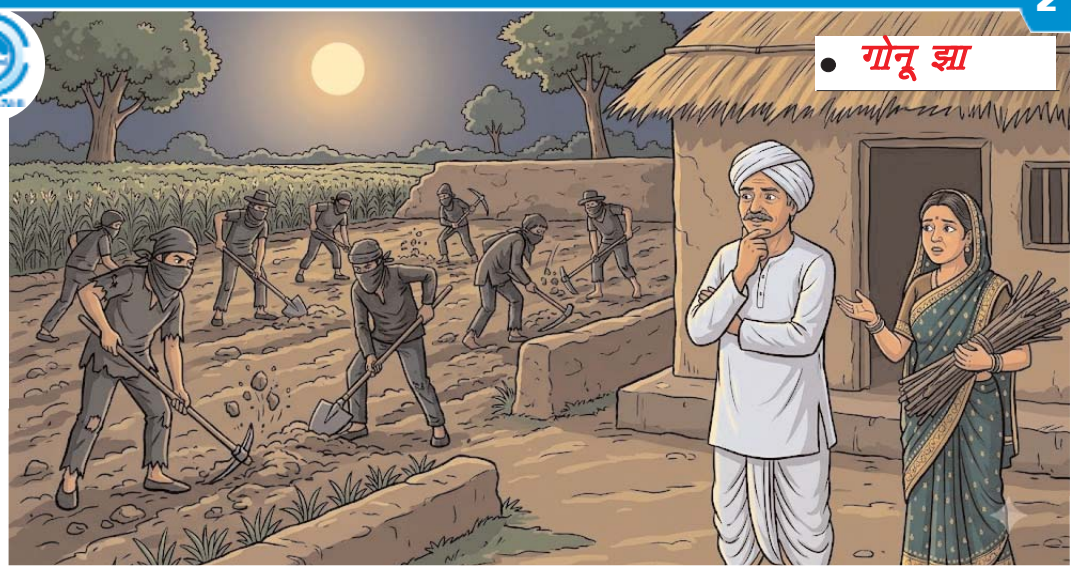
भारत के पूर्वी तटीय राज्य उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु अक्सर चक्रवर्ती तूफानों की चपेट में आते रहते हैं. आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर साल औसतन 2 से 4



ट्रॉपिकल साइक्लोन आते हैं. इनमें से ज्यादातर बंगाल की खाड़ी में बनते हैं और पूर्वी तट से टकराते हैं। भारत को प्रभावित करने वाले लगभग 80 फीसदी चक्रवात बंगाल की खाड़ी में बनते हैं और पूर्वी तट पर जमीन से टकराते हैं। इस वजह से यह इलाका देश का मुख्य चक्रवात जोखिम क्षेत्र बन जाता है। नवंबर 2026 की शुरुआत में मुरसु ने आंध्र प्रदेश और उड़ीसा के तटीय इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। इसमें गंभीर बाढ़ और जल भराव जैसी स्थिति पैदा हो गई।

उड़ीसा खासतौर से चक्रवातों और आकाशीय बिजली गिरने के खतरे के प्रति संवेदनशील है। खराब मौसम के दौरान इसके तटीय जिलों को काफी ज्यादा तेज हवाओं और भारी बारिश का सामना करना पड़ता है। आंध्र प्रदेश भी एक उच्च जोखिम वाला राज्य है। नेल्लोर, नरसापुर और प्रकाशम जिले सहित इसका दक्षिणी तटीय इलाका संवेदनशील माना जाता है। मुरसु के हालिया प्रभाव से पता चलता है कि इस तटीय क्षेत्र को किस तरह के खतरों का सामना करना पड़ता है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु को भी बार-बार ऐसे खतरों का सामना करना पड़ता है। पश्चिम बंगाल के सुंदरबन और उत्तरी तमिलनाडु के तटीय जिले अक्सर चक्रवात के रेड अलर्ट जोन में आते हैं। बंगाल की खाड़ी से लगे तट पर स्थित होने की वजह से यह इलाके अक्सर उन चक्रवातों के रास्ते में आ जाते हैं जो इस खाड़ी में बनते हैं। भारत के पश्चिमी तट पर पूर्वी तट की तुलना में चक्रवातों से टकराने की घटना आमतौर पर कम होती है. बंगाल की खाड़ी की तुलना में अरब सागर में चक्रवात कम बनते हैं। ऐतिहासिक रूप से हर दो से चार चक्रवातों में से सिर्फ एक ही पश्चिमी तट की तरफ बढ़ता है।

गुजरात और महाराष्ट्र ऐसे पश्चिमी राज्य हैं जिनके प्रभावित होने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। पश्चिमी तटीय राज्यों में कभी-कभी गंभीर मौसमी प्रणाली का असर देखने को मिलता है। गुजरात में कच्छ और सौराष्ट्र और महाराष्ट्र के तटीय इलाके खास तौर से जोखिम रहते हैं। जब कोई चक्रवात तट के करीब आता है या फिर तट को पार करता है तो इन क्षेत्रों में तेज हवाएं चल सकती हैं और भारी बारिश होती है। गोवा, कर्नाटक और केरल में चक्रवात के सीधे तट से टकराने की संभावना काफी कम है। हालांकि जब कोई चक्रवात इनके पास से गुजरता है तो इन राज्यों में भी भारी बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। चक्रवात का प्रभाव सिर्फ तट तक सीमित नहीं है. तट से टकराने के बाद जब हवा कमजोर पड़ जाती है तब भी इसका बचा हुआ हिस्सा भीतरी इलाकों में आगे बढ़ सकता है और वहां खराब मौसम पैदा कर सकता है. भारी बारिश, जल भराव और आंधी-तूफान तटीय इलाकों से दूर स्थित राज्यों को प्रभावित कर सकते हैं।



• गोनू झा

खेत जोत गए चोर

गतांक से आगे...

'मैं जाऊँ? मजदूर लाने? लोग क्या कहेंगे?' पंडिताइन बोली।

'अरे, बाहर तक तो चलो।' गोनू झा ने पंडिताइन की कलाई पकड़ ली और दरवाजा खोलकर पत्नी के साथ बाहर निकले। बोले - 'चलो, जरा पिछवाड़े से हो आएँ।'

वे दोनों पिछवाड़े की ओर गए तो देखा, दस आदमी जमीन की खुदाई करने में लगे हुए हैं। अपने काम में वे लोग इतने तन्मय थे कि गोनू झा और पंडिताइन के पहुँचने का उन्हें पता ही नहीं चला ।

गोनू झा ने ताली बजाई। बोले, 'वाह, भाइयो, तुम लोगों ने तो रात-भर में जमीन की सूरत ही बदल दी!'

इतना सुनना था कि खेत जोतने में लगे लोग कुदाल-गैंता छोड़कर भागे। मगर वे भाग के जाते कहाँ? सवेरा हो चुका था। लोग शौचादि के लिए घरों से निकल चुके थे। गोनू झा ने चोर-चोर का शोर मचाया ... चीखने लगे -'पकड़ो... कोई भागने न पाए!'

इतना सुनना था कि खेत जोतने में लगे लोग कुदाल-गैंता छोड़कर भागे। मगर वे भाग के जाते कहाँ? सवेरा हो चुका था। लोग शौचादि के लिए घरों से निकल चुके थे।

गोनू झा ने चोर-चोर का शोर मचाया ... चीखने लगे - 'पकड़ो... कोई भागने न पाए!' गाँव वालों ने भागते चोरों में से चार को पकड़ लिया। उनकी जबर्दस्त धुनाई हुई। इस धुनाई के बाद उन्हें कोतवाल के हवाले कर दिया गया...

गाँव वालों ने भागते चोरों में से चार को पकड़ लिया। उनकी जबर्दस्त धुनाई हुई। इस धुनाई के बाद उन्हें कोतवाल के हवाले कर दिया गया ।

उनके बयान पर शेष चोर भी पकड़ लिए गए। उनकी पिटाई और पूछताछ से मालूम हुआ कि ये सभी लोग किसी न किसी तरह लंगड़ू उस्ताद से सम्बन्धित हैं। लंगड़ू उस्ताद ने गोनू झा को सबक सिखाने का संकल्प ले रखा है। उसके कहने पर ही ये लोग गोनू झा के घर चोरी करने के इरादे से आए थे। गोनू झा को अपनी पत्नी से खेत में स्वर्ण-मुद्राओं से भरे घड़े होने की बात कहते सुनकर उन लोगों ने उसी को निकालकर ले जाने का मन बना लिया।

कुदाल आदि तो गोनू झा निकालकर गए ही थे... वे अन्त तक यह नहीं समझ पाए कि वे गोनू झा के झाँसे का शिकार हो गए। गोनू झा ने पहले ही भाँप लिया था कि चोरों ने उनके घर पर घात लगा रखा है। इसके कारण ही उन्होंने खजाने की कहानी पत्नी को सुनाई थी।

हवालात में बन्द चोरों को देखने के लिए गोनू झा जब पहुंचे, उस समय भी वे तरंग में उसी तरह गुनगुना रहे थे... चोरों से उन्होंने कहा -'अरे भाई लोग ! तुम लोगों ने मेरी बंजर भूमि की बढ़िया खुदाई की। कारावास की सैर से लौटकर आना तो मेहनताना ले जाना।' -समाप्त



• रोचक...

ग्लास स्पंज



ग्लास स्पंज को पृथ्वी पर सबसे लंबे वक्त तक लगातार जिंदा रहने वाले जीव माना जाता है। इसका जीवनकाल 10000 से 15000 सालों से भी ज्यादा हो सकता है। यह समुद्र की गहराई में रहता है जहां इसकी लंबी उम्र इसे कई जाने पहचाने जानवरों से अलग बनाती है। अंटार्कटिक स्पंज भी एक ऐसा ही अद्भुत जीव है. यह काफी ठंडे पानी में काफी धीमी रफ्तार से बढ़ता है और 10000 सालों से ज्यादा समय तक जिंदा रह सकता है। इसकी लंबी उम्र को हजारों सालों में मापा जाता है जो इसे इस सूची में मौजूद सबसे पुराने जिंदा जीवों में से एक बनाती है। ब्लैक कोरल का जीवनकाल भी काफी लंबा होता है। हवाई और कैरेबियन के गहरे समुद्र में पाए जाने वाले यह जीव 4000 सालों से भी ज्यादा समय तक जिंदा रह सकते हैं। ओशन क्वाहोग क्लैम 500 सालों से भी ज्यादा समय तक जिंदा रह सकता है। मिंग नाम का एक खास क्लैंप 507 सालों तक जिंदा रहा था। इसकी दर्ज की गई उम्र इसे समुद्री जीवों के बीच लंबी उम्र का एक बेहतरीन उदाहरण बनाती है।

• सोन पापड़ी...



भारत में सोन पापड़ी बनाने की शुरुआत सबसे पहले महाराष्ट्र के पश्चिमी शहरों में हुई थी। वहां के स्थानीय कारीगरों ने बेसन और चाशनी के तालमेल से इस रेशेदार मिठाई को तैयार किया, जिसे स्थानीय लोगों ने खूब पसंद किया। धीरे-धीरे महाराष्ट्र में लोकप्रिय हुई यह मिठाई गुजरात, पंजाब और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों में पहुंची। इन राज्यों के हलवाइयों ने अपने-अपने अंदाज में इसे ढाला और देखते ही देखते यह पूरे उत्तर भारत और देश के कोने-कोने में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली मिठाई बन गई।